प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉलेज में 'रबर तकनीक एवं इसकी उपयोगिता' विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन

विगत दिवस शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के इंस्टीट्युशन इंडस्ट्री इंररफेस विभाग के प्रमुख द्वारा मैकीनिकल एवं कैमीकल अभियांत्रिकी विभाग ने छात्रों के ज्ञानबर्धन हेतु ''रबर तकनीकी एवं इसकी उपयोगिता'' सम्बन्धी औद्योगिक ज्ञान विषय पर एक अतिथि व्याख्यान कौशल एवं विकास कार्यक्रम के माध्यम से आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि मेसर्स स्टॉर्क रबर प्रोडक्टस के प्रबंध निदशेक एवं चेयरमैन ए.सी.एम.ए. (Automotive Components Manufacturer's Association of India), एम.एस.एम.ई व अध्यक्ष अखिल भारतीय रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन श्री जे. एस. रांगर रहे।

संस्थान के अधिशासी निदेशक ने बताया कि कौशल विकास आज के विकासशील भारत के लिए बेहद जरूरी हो गया है क्योंकि केवल भारत ही संसार में युवा देश है जो संसार को विकास के रास्ते पर मार्गदर्शक के रूप में उभरने वाला है। यहाँ का युवा उद्यमिता में रुचि रखता है। निश्चित ही आज के व्याख्यान से संस्थान के छात्र–छात्रायें विशेष लाभान्वित होंगे।

संस्थान के निदेशक ने श्री रांगर को आमंत्रण स्वीकार कर अपने बहुमूल्य समय में से कुछ जानकारी भरे पल हिन्दुस्तान कॉलेज को देने के लिए आभार जताया तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। वहीं छात्र–छात्राओं से रबर उत्पादन इसकी गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुये स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने हेतु जानकारी एकत्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री रांगर ने छात्रों को वर्तमान समय में रबर उत्पाद की घरेलू एवं उद्योगों विशेषतौर से ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में दिनोंदिन बढ़ती उपयोगिता के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान बताया कि रबर उत्पाद का उपयोग टायर, ट्यूब, ग्लब्स, विद्युत कुचालक, खेलकूद सम्बन्धी उत्पाद के बनाने को लेकर भारी मांग बढ़ रही है। अच्छी किस्म का रबर आजकल कृतिम मानव हृदय को बनाने में भी उपयोग हो रहा है।

व्याख्यान में हिन्दुस्तान एवं आनंद इंजीनियरिंग कॉलेज के मैकैनीकल एवं कैमीकल विभाग के सभी छात्र एवं प्राफेसरों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया और रबर उद्योग कैसे शुरूआत की जाये एवं कुछ छात्रों ने इस क्षेत्र में बढ़ती नौकरियों की मांग पर भी चर्चा की जिसमें श्री श्री जे.एस. रांगर एवं सहयोगिनी श्रीमती मेघना मिश्रा (सी. ई.ओ. रबर स्किल डवलपमेंट काउंसिल) ने छात्र–छात्राओं से सीधा संवाद साधकर उनके प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का उचित उत्तर देकर समाधान एवं संतुष्ट किया। श्रीमती मिश्रा ने छात्रों से रबर उत्पाद बनाने की सही तकनीक एवं उत्पाद की उचित बाजार उपलब्धता की जानकारी लेने के बाद ही व्यवसाय को करने के लिए ध्यान आकर्षित करवाया।